

ख़बर संक्षेप

काली फिल्म लगी कारों एवं मॉडिफाइड साइलेंसर वाली मोटर साइकिलों पर यातायात पुलिस की कार्रवाई



शहडोल। शहडोल शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई। यातायात प्रमारी के नेतृत्व में काली फिल्म लगी कारों एवं मॉडिफाइड साइलेंसर वाली मोटरसाइकिलों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई। काली फिल्म का उपयोग करने तथा वाहनों में नियम विरुद्ध मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में नियम विरुद्ध किसी प्रकार का परिवर्तन न करें तथा सड़क पर वाहन चलाते समय सभी यातायात नियमों का पालन करें।

एक ही आरोपी ने अंजाम दी थीं चोरी की तीन वारदातें



शहडोल। शहर के मंदिरों, दुकानों और परिसरों को अपना निशाना बनाने वाले एक शक्तिर चोर के मंयूखों पर बुढ़ार पुलिस ने पानी फेर दिया है। पुलिस ने मुस्तेदी दिखाते हुए चोरी की तीन अलग-अलग वारदातों का एक साथ पर्दाकाश किया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को दबोचकर उसके पास से चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। भूतही मोहल्ला मंदिर: मंदिर से पीतल की बेशकीमती मूर्तियां और चांदी के गहने चोरी हुए थे। इमली टोला: राखड़ प्लांट से दो सीसीटीवी कैमरे पार कर दिए गए थे। सरवनी बंदर: दुकान का ताला तोड़कर केश पेटी, नगदी, चांदी के सिक्के और जरूरी दस्तावेज उड़ा लिए गए थे।पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अववाल के कड़े निर्देशों के बाद एखान में आई बुढ़ार पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया। ह्दलिए और सुरागों के आधार पर संदेही प्रदीप कोल पिता राममुवक कोल, मूल निवासी कुवापुर, कोरिया, छत्तीसगढ़ हाल निवासी पकरिया समन टोला, बुढ़ार को हिरास्त में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने तीनों चोरियों का जुर्रम कबूल कर लिया।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने 40 हजार रुपये मूल्य की शत-प्रतिशत मशरूका बरामद कर ली, जिसमें नगदी, चांदी के सिक्के, मंदिर की मूर्तियां, लकड़ी की पेटी और सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं। आरोपी को निरपत्तर कर व्यापार्य में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। यह कामयाब कार्रवाई थाना प्रमारी रजनीश तिवारी के नेतृत्व में सउनि वलामेन्ट जॉन, राजा भइया बागरी, झानेन्द्र सिंह, गिरीश शुक्ला व उनकी पूरी टीम की सराहनीय भूमिका से संभव हो सकी।

गंदगी करने वाले पर नगर पालिका हुई सख्त लगाया नुर्माना

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग एवं गंदगी के खिलाफ कार्रवाई की गई। बुढ़ार रोड स्थित दुकानों के निरीक्षण के दौरान छह दुकानदारों के पास से कुल 6 किलो 400 ग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन पाए जाने तथा गंदगी किए जाने पर कुल 9,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।नगर पालिका की टीम ने दुकानदारों को प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने की हिदायत देते हुए इसके स्थान पर कपड़े अथवा जूट के थैलों का उपयोग करने की समझाइश दी। साथ ही दुकानदारों से दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा नगर की स्वच्छ एवं पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए अपील की गई। कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, भूपेश कोहरे, भरत सिंह, आनंद यादव एवं कमल उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही गई।

बालक वर्ग में जबलपुर विजेता, उज्जैन उपविजेता एवं भोपाल तृतीय तथा बालिका वर्ग में इंदौर विजेता, शहडोल उपविजेता एवं उज्जैन तृतीय

खेल में हार-जीत सिक्के के दो पहलू, खेलोगे-कूदोगे तो बनेगी पहचान: मनीषा



शहडोल संभाग के राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले बास्केटबॉल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

शहडोल। 70वां शालेय राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत 17 वर्ष आयु वर्ग बालक एवं बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह गुड शेफर्ड कॉन्वेंट स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 16 सितम्बर 2026 को इसी प्रांगण में हुआ था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि खेल में हार-जीत सिक्के के दो पहलू हैं। खेलोगे-कूदोगे तो पहचान बनेगी। उन्होंने कहा कि शहडोल जिला खेलों के साथ-साथ गोंदी पेंटिंग एवं काष्ठ कला के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

10 टीमों ने लिया प्रतियोगिता में हिस्सा

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अतुल चौधरी द्वारा प्रस्तुत प्रतियोगिता प्रतिवेदन में बताया गया कि प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 9 संभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग की एक टीम सहित कुल 10 टीमों ने सहभागिता की। इन टीमों को दो पूल ए एवं बी में विभाजित किया गया। प्रत्येक टीम ने 4 लीग मैच खेले। इस प्रकार कुल 40 लीग मैच आयोजित हुए। लीग मैचों में शीर्ष पर रहने वाली 2-2 टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया तथा इनके बीच 4 सेमीफाइनल मैच खेले गए। सेमीफाइनल की विजेता टीमों ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में जबलपुर संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि उज्जैन संभाग द्वितीय एवं भोपाल संभाग तृतीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में इंदौर संभाग ने प्रथम, शहडोल संभाग ने द्वितीय तथा उज्जैन संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



मरीज मर्ती, ड्रिप चालू... पर डॉक्टर कोई और, दो विलनिक सील बीपीटी की डिवी पर चल रहा था एलोपैथिक इलाज

रिटायाई डॉक्टर के ठिकाने से मिलीं एक्सपायरी दवाएं, बुढ़ार में हडकंप

शहडोल। जिले में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप और फर्जी विकित्सा ठिकानों पर स्वास्थ्य विभाग ने आखिरकार अपना चाबुक चला ही दिया। बुढ़ार क्षेत्र में नियमों की धज्जियां उड़ाकर चलाए जा रहे दो चर्चित विलिनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने अंजाम कदम उठते उठते हाथों पकड़ा और मौके पर ही सील कर दिया। जांच में जो सब सामने आया, उसने पूरे प्रशासनिक महकमे को सन्न कर दिया है, कहीं फिजियोथेरेपिस्ट की डिग्री लेकर मरीजों को भर्ती कर बोलते चढ़ाई जा रही थीं, तो कहीं कंसल्टंसी के नाम पर एक्सपायरी हो चुकी दवाइयां बांटी जा रही थीं। स्वास्थ्य अमले की टीम जब खेराहा रोड स्थित सरईकांप के पास संचालित अमराराज हॉस्पिटल पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी दंग रह गए। विलिनिक के अंदर बकराझ बेडों पर मरीज मर्ती थे और उन्हें ड्रिप (बोतल) चढ़ाई जा रही थी। जांच में खुलासा हुआ कि विलिनिक संचालक डॉ. अमरराज किसी अन्य पंजीकृत विलिनिक के नाम का सहारा लेकर दुकान चला रहे थे। संचालक के पास केवल बीपीटी (फिजियोथेरेपी) का पंजीयन था, लेकिन थड़ल्ले से गंभीर मरीजों को भर्ती कर एलोपैथिक दवाइयों से इलाज किया जा रहा था। टीम की दूसरी कार्रवाई हीरा कॉलोनी के पास संचालित सेवानिवृत्त शासकीय विकित्सक डॉ. के.एन. गुप्ता के विलिनिक पर हुई। विलिनिक का रजिस्ट्रेशन केवल परामर्श के नाम पर था, लेकिन मौके पर मरीजों को दवाइयां देकर बकरायाझ इलाज की दुकान चलाई जा रही थी। सबसे खतरनाक बात यह सामने आई कि विलिनिक के अंदर से भारी मात्रा में गियाद पूरी कर चुकीं जहरीली दवाएं बरामद हुईं, जिन्हें टीम ने तुरंत अपनी सुपुर्दगी में ले लिया। मरीजों की जान को सीधे जोखिम में डालते पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने तुरंत दोनों परिसरों से दवाइयां जब्त कीं और पंचनामा बनाकर विलिनिकों को सील कर दिया। यह पूरी छापामार कार्रवाई मुख्य रूप से डीएचओ। डॉ. आर.के. शुक्ला, डीआईओ डॉ. अंशुमान सुनारे और बुढ़ार बीएमओ डॉ. सचिन कारखुर की संयुक्त मौजूदगी में अंजाम दी गई। स्वास्थ्य विभाग की इस कड़क कार्रवाई से बुढ़ार और आसपास के ग्रामीण अंचलों में बिना वैधानिक डिग्रियों व अनुमतियों के डॉक्टरों की दुकान सजाकर बैठे लोगों में हडकंप मच गया है।

यूआईटी आरजीपीवी शहडोल में दीक्षारंभ: पूर्व छात्र सम्मेलन एवं दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

पूर्व छात्रों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों से साझा किए अनुभव करियर एवं भविष्य की संभावनाओं पर हुआ संवाद स्नातक विद्यार्थियों को उपाधियां एवं प्रावीण्य विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर किया सम्मानित

शहडोल। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूआईटी-आरजीपीवी), शहडोल में दीक्षारंभ समारोह, पूर्व छात्र सम्मेलन एवं दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूर्व छात्रों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के बीच संवाद विशेष रूप से रोचक रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने कॉलेज जीवन, भविष्य, रोजगार, उच्च शिक्षा एवं करियर से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं के संबंध में पूर्व छात्रों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व छात्रों में विशेष रूप से झारखंड में माईस इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत आदर्श कुमार गुप्ता, अभिषेक साहू, शिवम श्रीवास्तव, अंकित करकिट्टा, उज्ज्वल सहाय, ऋषभ द्विवेदी, मनीष केवट, शिवम शर्मा एवं एसईसीएल में कार्यरत अजय पटेल सहित अन्य पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र आदर्श गुप्ता ने साझा किए अनुभव

संस्थान के वर्ष 2021 बैच के पूर्व छात्र एवं माईस इंस्पेक्टर आदर्श गुप्ता ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने दुर्लभ मृदा खनिजों के महत्व, उनके उपयोग एवं वर्तमान समय में उनकी बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने अपने करियर अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, लक्ष्य निर्धारण एवं निरंतर प्रयास के लिए प्रेरित किया।

स्नातक समारोह में विद्यार्थियों को उपलब्धियों के लिए किया सम्मानित

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2026 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि बी.के. जेना,



240 खिलाड़ियों और 44 टीम मैनेजर एवं कोच ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में विभिन्न संभागों से आए कुल 240 प्रतिभागी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा 44 टीम मैनेजर एवं कोच, प्रतियोगिता संपन्न कराने के लिए 21 स्टेट ऑफिशियल्स एवं रेफरी तथा विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की 15 समितियों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, नगर पालिका एवं मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के कर्मचारियों द्वारा भी प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रत्येक मैच रोमांच से भरपूर रहा। खिलाड़ियों ने अपने हुनर, तकनीकी दक्षता एवं खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ी आपसी सामंजस्य, खेल भावना तथा शहडोल में बिताए चार दिनों की मधुर स्मृतियां लेकर अपने-अपने स्थानों के लिए रवाना हुए।

व्यवस्थाओं की टीम मैनेजर एवं कोच ने की सराहना

प्रतियोगिता में शामिल टीमों के जनरल मैनेजर भोपाल संभाग के.एस. ठाकुर, जबलपुर संभाग की श्रीमती माधुरी शर्मा तथा रीवा संभाग टीम के कोच अरुण प्रकाश मिश्रा ने प्रतियोगिता के दौरान की गई व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए भोजन, आवास, परिवहन, खेल मैदान, बिजली, पानी एवं साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बताया। रीवा संभाग से प्रतियोगिता में शामिल हुई खिलाड़ी परी मिश्रा ने भी शहडोल में की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां उन्हें घर में मां-बाप के साथ रहने जैसा माहौल मिला।

15 वर्षों से बास्केटबॉल में शहडोल ने बनाई पहचान

समारोह में बताया गया कि शहडोल संभाग ने विगत 15 वर्षों

स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं जेन-जी युवतियों के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित महिलाओं ने योगाभ्यास के साथ खेलकूद, प्रश्नोत्तरी, मिलेट खाद्य प्रतियोगिता एवं पारंपरिक खेलों में लिया उत्साहपूर्वक भाग

शहडोल। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण

आजीविका मिशन जिला शहडोल अंतर्गत स्व-सहायता समूह की सदस्यों एवं उनके परिवार की जेन-जी युवतियों के लिए खेलकूद, प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति के निर्देश एवं मार्गदर्शन में सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र कल्याणपुर में किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुरुआत सुबह 6 बजे महिलाओं के योगाभ्यास से हुई। इसके पश्चात महिलाओं एवं युवतियों के लिए विभिन्न खेलकूद एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुर्सी दौड़, रस्साकसी, प्रश्नोत्तरी, मिलेट खाद्य प्रतियोगिता सहित विभिन्न पारंपरिक खेलों में महिलाओं एवं जेन-जी युवतियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

खेलकूद एवं प्रतियोगिताओं के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जेन-जी युवतियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों एवं मंचासीन अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विधायक एवं श्रीमती अमिता

चपरा ने किया शुभारंभ

कार्यक्रम की अध्यक्षता जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने की। मुख्य अतिथि जिला योजना



समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा रहीं। मां सरस्वती के समक्ष पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में संतोष लोहानी, भूपेन्द्र मिश्रा एवं श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, तथा रविन्द्र वर्मा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

प्रश्नोत्तरी में युवतियों ने दिए

सही उत्तर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती अमिता चपरा ने जेन-जी युवतियों के साथ प्रश्नोत्तरी की। इसमें महिलाओं एवं युवतियों ने पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दिए। श्रीमती चपरा ने ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सफल आयोजन के

लिए मिशन कर्मियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बधाई दी। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि शासन-प्रशासन एवं जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के समन्वय से शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी निरंतर प्रयास करें। उन्होंने सकारात्मक बदलाव के लिए सभी को बधाई दी।

विजेताओं को प्रदान किए गए पुरस्कार

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा विभिन्न खेलकूद एवं प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रबंधक श्री

संदीप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक अजय सिंह, डीएम डीआईसी मनीष, जिला प्रबंधक श्रीमती शैलजा सिंह, सहायक जिला प्रबंधक श्री राजेश पाण्डेय सहित विकासखण्ड प्रबंधक एवं सहायक विकासखण्ड प्रबंधक तथा मिशन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम पहुंचकर किया फल वितरण

कार्यक्रम के पूर्व श्रीमती अमिता चपरा एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा कल्याणपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों को फल वितरित किए गए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

एवं कौशल का उपयोग समाज एवं देश के विकास में करने का आह्वान किया। बी.के. जेना की ओर से संस्थान की लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें उपहार स्वरूप भेंट की गईं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन, ज्ञानार्जन एवं निरंतर सीखने की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

प्रावीण्य विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर किया सम्मानित

बी.के. जेना द्वारा वर्ष 2026 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों एवं प्रावीण्य विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में मैकेनिकल शाखा से संगीता राय, सना फातिमा एवं दिया सोनी तथा माईस शाखा से आदर्श कुमार मिश्रा, रोहित चतुर्वेदी एवं जय प्रजापति शामिल रहे। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखा गया।

संस्थान के संचालक ने विद्यार्थियों को दिया मार्गदर्शन

संस्थान के संचालक डॉ. पंकज जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संस्थान से जुड़े रहने, अध्ययन के प्रति निरंतर समर्पित रहने तथा भविष्य में नए रोजगार के अवसरों के लिए प्रयास करते रहने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित न रहने, बल्कि रोजगार सृजन बनने की दिशा में भी अपने कौशल एवं क्षमता को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. जैन ने सफल जीवन के लिए मानवीय मूल्यों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बी.के. जेना एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार का प्रोत्साहन उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में नई ऊर्जा प्रदान करता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं संस्थान के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दीक्षारंभ-2026 ने जहां नवप्रवेशित विद्यार्थियों के नए शैक्षणिक सफर की शुरुआत को यादगार बनाया, वहीं पूर्व छात्र सम्मेलन एवं दीक्षांत समारोह ने संस्थान की उपलब्धियों, पूर्व छात्रों के अनुभवों तथा संस्थान से जुड़े भावनात्मक संबंधों को एक मंच पर लाने का कार्य किया।

ख़बर संक्षेप



धार्मिक विधिविधान के साथ मनाया गया राधा अष्टमी

कोतमा। नगर के पंचायती मंदिर में शनिवार को राधा अष्टमी यानी राधारानी का जन्मोत्सव धार्मिक विधिविधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राधारानी का जलाभिषेक मंदिर के पुजारी और श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इसी क्रम में राधा-माधव को नई-नई पोशाकें पहना कर भव्य श्रृंगार करते हुए मंदिर को फूलों से सजाया गया था। इस अवसर पर पंचायतस्व मंदिर के पुजारी कुंज बिहारी मिश्रा ने कहा कि राधा रानी भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय थी वह हमेशा उनकी सेवा करती रहती थी इसलिए भगवान कृष्ण से पहले राधा जी का नाम लिया जाता है। भक्त को मन से भगवान की भक्ति करनी चाहिए। सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। भगवान तो भाव के भूखे हैं। हमेशा सही दिल से उनकी प्रार्थना करनी चाहिए। इस दौरान भजन-कीर्तन का दौर कई घंटे तक चला। मंदिर परिसर में कन्या भोज का आयोजन भी किया गया था। मंदिर परिसर में राधा नाम संकीर्तन के साथ ही महासासद का वितरण भी किया गया। महिलाओं एवं बच्चियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसी प्रकार नगर के अन्य राधा-गोविंद मंदिरों में भी राधा अष्टमी मनाई गई।

21 सितंबर को जिला खनिज प्रतिष्ठान योजना अंतर्गत कार्य पालिका समिति की बैठक

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 21 सितंबर को अपराह्न 5 बजे से जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत कार्य पालिका समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए पंचवर्षीय कार्य योजना तैयार करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

21 सितंबर को राज्य स्तरीय हैडबॉल प्रतियोगिता आयोजन के संबंध में बैठक

उमरिया। राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के अंतर्गत उमरिया जिले में 25 सितंबर से 28 सितंबर तक 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक की प्रतियोगिता आयोजित होगी तथा 14 वर्ष कम आयु वर्ग के बालकों की हैड बॉल प्रतियोगिता 27 से 31 अक्टूबर तक जिला मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिताओं की तैयारी के संबंध बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में 21 सितंबर को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

सेवा ही संकल्प अभियान का हुआ राखनाट



प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर हुआ भव्य कार्यक्रम

राजनगर। निकाय के परिसर सहित निकाय क्षेत्र के विभिन्न वाडों, शहीद स्मारक, मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों सहित विभिन्न स्थानों पर में 17 सितंबर को सेवा ही संकल्प अभियान के तहत भव्य आशीर्वाद का दिया प्रज्वलन कर अभियान की शुरुआत की गयी। इस कार्यक्रम में सभी नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों, स्व सहायता समूहों, महिलाओं, युवाओं ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया साथ ही कार्यक्रमों को व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करने में निकाय के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी

तबादले के आदेश कागजों पर सिमटे



दो-दो सर्किलों की कमान सौपी, कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल

मानपुर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के पनपथा बफर रेंज में पदस्थापना और स्थानांतरण को लेकर एक अनोखा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्षों से एक ही क्षेत्र में जमे कार्यवाहक वनपाल (डिप्टी रेंजर) अनिल कुमार सोनवानी का प्रशासनिक दबदबा इस कदर कायम है कि विभाग द्वारा जारी किए गए स्थानांतरण आदेश भी निष्प्रभावी साबित हो रहे हैं। आलम यह है कि सरकारी नीतियों और स्थानांतरण आदेशों के बावजूद अधिकारी क्षेत्र से हटने का नाम नहीं ले रहे हैं, जिससे पार्क प्रबंधन की प्रशासनिक इच्छाशक्ति और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

आदेश जारी, लेकिन क्रियान्वयन नगण्य

उपलब्ध आधिकारिक पत्राचारों और आदेशों का

पार्क प्रबंधन के ऊपर भारी हैं अनिल सोनवानी

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अंगद का पांव बने डिप्टी रेंजर

अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि पार्क प्रबंधन द्वारा समय-समय पर स्थानांतरण व ड्यूटी में बदलाव के आदेश तो जारी किए गए, लेकिन वे धरातल पर प्रभावहीन ही रहे। क्षेत्रीय संचालक कार्यालय, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया द्वारा जारी आदेश क्रमांक/582 (दिनांक 15 जून 2026) के तहत स्थानांतरण नीति 2026 के परिपालन में कार्यवाहक वनपाल अनिल कुमार सोनवानी का स्थानांतरण पनपथा बफर (परिक्षेत्र सहायक पनपथा) से परिक्षेत्र मानपुर (परिक्षेत्र सहायक कठई) किया गया था।

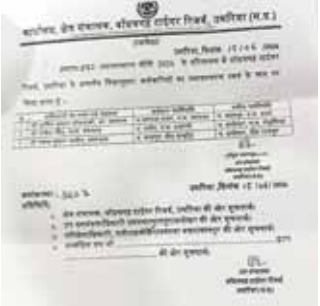
भारमुक्त करने के निर्देश

इस आदेश के तत्काल बाद, उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा पत्र क्रमांक/स्था./3957 (दिनांक 08/07/2026) जारी कर सभी परिक्षेत्र अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि स्थानांतरित कर्मचारियों को तीन दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से भारमुक्त कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उप संचालक के कड़े

निर्देशों और तीन दिन की समय-सीमा बीत जाने के बावजूद, अनिल सोनवानी का मानपुर रेंज के लिए प्रस्थान नहीं हो सका। इसके विपरीत उन्हें पनपथा बफर के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों का प्रभार देकर उनके अधिकारों का दायरा और बढ़ा दिया गया।

अस्थाई आदेशों का खेल और दोहरा प्रभार

विभागीय पत्राचारों से यह बात भी उजागर होती है कि पूर्व में भी सुचारू संचालन और अस्थाई व्यवस्था के नाम पर आदेश जारी किए जाते रहे और फिर उनमें संशोधन कर दिया गया। 01 दिसम्बर 2025 (आदेश क्रमांक 2045) के तहत अनिल कुमार सोनवानी को परिक्षेत्र सहायक करोंदिया (रिक्त) का प्रभार सौंपा गया था। इसके ठीक एक माह बाद, दिनांक 06 जनवरी 2025 (आदेश क्रमांक 2302) के माध्यम से पूर्व आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए उन्हें पुनः परिक्षेत्र सहायक पनपथा (परिक्षेत्र पनपथा बफर) के पद पर संशोधित ड्यूटी पर लगा दिया गया। स्थानीय सूत्रों और जनचर्चाओं के अनुसार, एक तरफ जहां



मुख्यमंत्री ने प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को दी स्कूटी की सौगात



उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को बड़ी सौगात दी है। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का वितरण किया। यह स्कूटी मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत प्रदान की गई। इससे विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। साथ ही, कॉलेज आने-जाने में भी सद्बलियत होगी। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण का कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उत्त्तर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर भोपाल में आयोजित किया गया। उमरिया जिले के 89 छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का लाभ प्राप्त हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के सभी विद्यालयों में देखा एवं सुना गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान आना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। मोटराइज्ड स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रुपये और ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

संकल्प सेवा अभियान के तहत नमो युवा शक्ति खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

उमरिया। संकल्प सेवा अभियान के तहत पीएम श्री कॉलरी स्कूल में नमो युवा शक्ति खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया । आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं युवतियों को खेल, रचनात्मक स्वास्थ्य, नेतृत्व कुशलता एवं आत्म निर्भरता से जोड़ना है। इस अवसर पर कुर्सी रेस, चम्मच नीबू रेस , खो खो प्रतियोगिता का आयोजन युवतियों के मध्य वं सुकोकू वर्ग पहली का आयोजन युवकों के मध्य किया गया । स्थान रखने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में बिरसामुंडा सी एफ एफ की कौशल सखी वंदना पाल व्दारा अपनी सफलता की कहानी सुनाकर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया। स्वास्थ्य विभाग व्दारा प्रतिभागियों के स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर मुख्य शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अभिषेक आनंद पांडेय, मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।



धूमधाम से मनाई गई महर्षि कश्यप की जयंती



कोतमा। नगर में शनिवार को धूमधाम से महर्षि कश्यप की जयंती मनाई गई। कसौधन वैश्य समाज कोतमा द्वारा महर्षि कश्यप की जयंती का आयोजन किया गया। कश्यप जयंती के उपलक्ष्य पर पुरानी बस्ती से शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए मंगल भवन में संपन्न हुई। शोभायात्रा में बाजे गाजे की धुन पर जमकर महिलाएं एवं पुरुष तथा बच्चों ने डांस किया। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। मंगल भवन मे कसौधन वैश्य समाज के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे हिस्सा लेने वाले बच्चे बच्चियों को भी पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम व भोजन के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम मे कसौधन वैश्य समाज की महिलाओं एवं पुरुषों के साथ ही गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए।

उत्तम आर्जव धर्म पर माताजी ने दिया सरलता और निष्कपटता का संदेश

युवाओं से कहा- जिनशासन की ध्वजा आपके कंधों पर, एकता के साथ धर्म रक्षा करे

कोतमा। नगर में जैन धर्म का पर्युषण पर्व दशलक्षण धर्म आर्थिका माँ 105 अनंतमति माताजी ससंध के पावन सान्निध्य में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। पर्व के चतुर्थ दिवस उत्तम आर्जव धर्म के अवसर पर माताजी ने मंगल प्रवचन देते हुए सरलता, निष्कपटता और ऋजुता का महत्व समझाया। उनके प्रवचनों का जैन समाज के श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। माताजी ने कहा कि मन, वचन और काय तीनों में एकरूपता होना ही आर्जव धर्म है। मन में कुछ और रखना, वाणी से कुछ और कहना और व्यवहार में कुछ और करना मायाचार एवं छल-कपट है। जब व्यक्ति अपनी गलतियों को छिपापने के लिए कुटिलता का सहारा नहीं लेता और जीवन में सरलता को अपनाता है,



तभी उत्तम आर्जव धर्म प्रकट होता है। माताजी ने मन को मायाचारी का अजायबघर बताते हुए कहा कि मन में अनेक प्रकार की कुटिल नीतियां जन्म लेती रहती हैं। उन्होंने राम नाम जपना, पराया माल अपना और जैसा मौका, वैसा काम जैसी अनौत्पिर्ण सोच को त्यागने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कुटिल नीतियों को छोड़कर आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य समय सागर जी महाराज की धर्मनीति से जुड़ना

चाहिए। यही आत्मकल्याण का सच्चा मार्ग है। युवाओं को अतीत की चिंता छोड़कर वर्तमान में धर्म और संस्कारों के साथ जीवन जीने का संदेश दिया। युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिनवाणी और जिनशासन की ध्वजा युवाओं के कंधों पर है। युवाओं को पूर्ण वात्सल्य, संगठन और एकता के साथ आगे बढ़ते हुए जैन धर्म एवं संस्कृति के गौरव को सुरक्षित रखने के लिए कार्य करें।

अमरकंटक में गूंज रही भक्ति की स्वर लहरियां नानी बाई रो मायरो कथा में सराबोर हो रहे श्रद्धालु

अमरकंटक। पवित्र नगरी मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक में धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों की श्रृंखला के अंतर्गत शांति कुटी आश्रम में दो दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा एवं श्रीराम नाम संकीर्तन का शुभारंभ शनिवार, 19 सितंबर को श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में हुआ। कथा के शुभारंभ अवसर पर कलश शोभायात्रा निकाली गई, जो मां नर्मदा उद्गम मंदिर एवं कुंड तक पहुंची। भजन-कीर्तन, संकीर्तन और भक्तिमय जयकारों से आश्रम परिसर सहित नगर का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। वहीं, राजस्थान की राजधानी जयपुर में श्री बलराम सत्संग मंडल द्वारा प्रत्येक रविवार को नियमित सुंदरकांड पाठ के माध्यम से रामभक्ति एवं सत्संग की परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है। शांति कुटी आश्रम में नानी बाई रो मायरो कथा के शुभारंभ पर शनिवार को महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की सहभागिता में कलश शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक द्वारा पुराण पूजन, आरती एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। शांति कुटी आश्रम में आयोजित नानी बाई रो मायरो कथा का वाचन भागवत शास्त्र एवं धर्मप्रचारक डॉ. पं. नरेंद्र पाण्डेय द्वारा किया जा रहा है। शनिवार, 19 सितंबर को कथा के दो सत्र निर्धारित किए गए



करते हुए आगे बढ़ रहे थे। नर्मदा उद्गम कुंड एवं मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश एवं पुराण का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालु पुनः शांति कुटी आश्रम पहुंचे, जहां विशाल सभागार में कलश स्थापना की गई। आचार्य एवं पुरोहितों द्वारा पुराण पूजन, आरती एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। शांति कुटी आश्रम में आयोजित नानी बाई रो मायरो कथा का वाचन भागवत शास्त्र एवं धर्मप्रचारक डॉ. पं. नरेंद्र पाण्डेय द्वारा किया जा रहा है। शनिवार, 19 सितंबर को कथा के दो सत्र निर्धारित किए गए

शांति कुटी आश्रम में संगीतमय कथा का शुभारंभ, मां नर्मदा उद्गम कुंड तक निकली कलश शोभायात्रा

यह धार्मिक आयोजन शांति कुटी आश्रम के परम संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी रामभूषण दास जी महाराज एवं सोनमूड़ा आश्रम के महंत सोमेश्वर गिरी महाराज के संरक्षण में आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के दूसरे दिन रविवार, 20 सितंबर को प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक श्रीराम नाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक नानी बाई रो मायरो कथा के अंतर्गत मायरो की विशेष प्रस्तुति होगी। संगीतमय कथा, भजन एवं संकीर्तन के इन आयोजनों में श्रद्धालु भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागी बनेंगे। आश्रम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है। अमरकंटक के शांति कुटी आश्रम में नानी बाई रो मायरो कथा एवं श्रीराम नाम संकीर्तन और जयपुर में नियमित सुंदरकांड पाठ के आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं सत्संग की परंपरा को जीवंत बनाए हुए हैं। इन धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक चिंतन, भजन-कीर्तन और प्रभु स्मरण से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत ये आयोजन श्रद्धालुओं के मन में आस्था, समर्पण और भक्ति भाव को सुदृढ़ कर रहे हैं।



खबर संक्षेप



ग्राम पंचायत बिजहा में उत्साहपूर्वक मना प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन
बुहार। सेवा संकल्प अभियान दिया के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर की ग्राम पंचायत बिजहा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत भवन में सरपंच, सचिव तथा पंचायत के समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत, बस स्टैंड बिजहा स्थित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर में भी दीप जलाकर स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए जन्मोत्सव की खुशियां बांटी गईं।

भगवान कृष्णजी की शोभा यात्रा निकली



ब्यौहारी। मझौली में भगवान श्री कृष्ण अष्टमी को धूमधाम से मनाई गई। यादव समाज के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की शोभायात्रा के साथ झांकी व नाचते गाते, जय यादव जय माधव के जयकारे से गूंजा शोभा यात्रा जगह-जगह भगवान कृष्ण जी पूजा की गई इस यात्रा में शामिल हुए लोग खूब उत्साहित दिखें, जिसमें 300 सौ लोग शामिल हुए थे जिसमें ब्यौहारी से आये हुए, अखिल भारतवर्षीय यादव महा सभा का व्यवस्थापक जगतभन यादव वार्ड 14 पार्षद,अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह यादव,सचिव, रमाशंकर यादव बाबू, कोषाध्यक्ष, संदीप यादव, एवं रावेन्द्र सिंह यादव,, विकाश यादव , दिनेश यादव दिलदार, दुर्गेश यादव सूर्यभान यादव एवं अन्य लोगों ने श्री कृष्ण अष्टमी के पवनपर्व में श्री भगवान की पूजा अर्चना कर आरती उतारी। शोभा यात्रा करीब 2 बजे तिलावारी से होते हुए व नगर ब्रह्मण करते हुए RK प्लेस पर प्रस्थान करेगी

डीवीएम पब्लिक स्कूल में भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भारत सरकार एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित सेवा संकल्प अभियान (17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026) के अंतर्गत जनपद शिक्षा केंद्र बुद्धार की विकासखंड स्तरीय कार्ययोजना के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्राचार्य विद्या बंजारे के मार्गदर्शन में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने “विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत”, “स्वच्छता ही सेवा” एवं “पर्यावरण संरक्षण” जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित आकर्षक एवं संदेशपूर्ण चित्र बनाए।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि नगर परिषद उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह, अशोक चौरसिया एवं महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी जगज्जुत कुसुम एवं सुनीता यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने बच्चों को “सेवा ही संकल्प” अभियान के उद्देश्य और उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग रहा। विद्यालय के इको क्लब द्वारा कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स नियमानुसार पोर्टल पर अपलोड किए गए। प्राचार्य विद्या बंजारे ने अतिथियों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। चयनित विद्यार्थी 22 सितंबर को संकुल स्तर तथा 24 सितंबर को विकासखंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रिलायंस सी.बी.एम. परियोजना द्वारा ग्रामीण अंचलों में ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के तहत जन जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बुद्धार। केन्द्र सरकार के ‘स्वच्छ भारत मिशन’ के अंतर्गत ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ अभियान के तहत रिलायंस की कोल बेड मीथेन (सी.बी.एम.) परियोजना क्षेत्र के समस्त ग्रामीण अंचलों में स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियां पूरे उल्लास के साथ आयोजित की जा रही हैं, और कार्यक्रम की श्रृंखला में हाई स्कूल सेमरा तथा कटकोना कन्या शिक्षा परिसर में स्वच्छता संवाद और चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालयीन छात्रों ने पूरे उल्लास के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता निभायी। स्वच्छता अभियान का उद्देश्य यह है कि - ग्रामीण जनों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता



हाई स्कूल सेमरा में स्वच्छता संवाद और कला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन



स्वच्छता अभियान के तहत हाई स्कूल सेमरा में स्वच्छता संवाद एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिलायंस कोल बेड मीथेन परियोजना के साइट हेड राजेश वर्मा ने विद्यार्थियों, विद्यालय स्टाफ एवं जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में संबोधित किया। उन्होंने कहाकि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में देशव्यापी स्वच्छता अभियानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता विषय पर बनाई गई चित्रकृतियों की सराहना करते हुये कहाकि - बच्चों की रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश परिवार और समाज तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है।

ग्राम के प्रतिष्ठित नागरिक सज्जन पांडे ने भी

संबोधित किया और स्वच्छता की दिशा में रिलायंस की सार्थक पहल को ग्राम विकास एवं सामुदायिक जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के उद्देश्य एवं गतिविधियों की रूपरेखा डॉ. समीम ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और चित्र कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वच्छता अभियान के तहत सेमरा एवं कन्या शिक्षा परिसर, कटकोना में स्वच्छता संवाद, स्वच्छता शपथ एवं चित्र कला प्रतियोगिताओं में 5 सौ से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश परिवार एवं जन समुदाय तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

स्वच्छता अभियान के तहत सामुदायिक सहभागिता से अभी तक 18 सावजनिक

शौचालयों एवं पेयजल इकाइयों की साफ-सफाई की गई और इन गतिविधियों में ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहयोग प्रदत्त किये। अभियान में रिलायंस के कर्मचारी भी स्वयंसेवकों के रूप में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं, वहीं कर्मचारी ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वच्छता गतिविधियों में योगदान देने के साथ दैनिक जीवन में स्वच्छता संबंधी व्यवहार अपनाने के लिये जन समुदाय को प्रेरित कर रहे हैं। स्वयं स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेकर वे ‘स्वच्छता पहले स्वयं से’ का संदेश भी दे रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में रिलायंस की ओर से स्वाति शर्मा, रावेन्द्र गुप्ता तथा रिलायंस सामाजिक उत्तरदायित्व टीम के अश्वनी शर्मा, अपूर्वा टण्पो एवं अभिलाष तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीएम मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजना से बदल रही ग्रामीण भारत की तस्वीर, बाघन्नारा में हर घर नल से पहुंच रहा शुद्ध जल

बिरसिंहपुर पाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एमन केन्द्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-जल योजना आज ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल रही है। इस योजना का एक ही लक्ष्य है - देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार के घर तक नल के माध्यम से शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना।मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के विकासखंड पाली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चांदपुर का बाघननारा ग्राम जहाँ बैगा जनजाति के अधिकतर लोग निवास करते हैं। जहाँ उमरिया लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) द्वारा सोलर पैनल आधारित नल-जल योजना को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। एक समय था कि जब इस गांव के रहवासियों को पीने के पानी के लिए किलोमीटर दूर हैंडपंप और नदी-नालों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब उनके घरों में नल से शुद्ध और स्वच्छ जल पहुंच रहा है। महिलाओं को अब पानी के लिए मतकन नहीं पड़ रहा है, जिससे उनके समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। गांव में इस योजना के आने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। बता दे कि योजना की



जमीनी हकीकत परखने के लिए उमरिया लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एच.एस. धुर्वे ने स्वयं बाघननारा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद सख इंजीनियर हिमांशु जैसवाल से प्रगति रिपोर्ट ली और पूरे

सिस्टम का बारोकी से निरीक्षण किया।इस दौरान कार्यपालन यंत्री एच.एस. धुर्वे ने कहा कि, रहमारा लक्ष्य है कि पाली विकासखंड का कोई भी घर नल-जल योजना के लाभ से वंचित न रहे। बाघननारा में योजना सफलतापूर्वक चल रही है। जो गांव अभी भी छूटे हुए हैं, वहां भी सुदृस्तर पर कार्य कर जल्द ही पानी प्रदाय शुरू किया जाएगा। शासन की मंशा है कि हर आदिवासी परिवार को उसके घर पर ही शुद्ध जल मिले।इसक्रम के दौरान सख इंजीनियर हिमांशु जैसवाल ने बताया कि विभाग द्वारा सभी संबंधित ठेकेदारों को सख निर्देश दिए गए हैं। पाली ब्लॉक के जिन गांवों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य शेष रह गया है उसे तत्काल गति बढ़ाकर समय-सीमा में पूरा किया जाए। ताकि पाली क्षेत्र के हर गांव में जल्द से जल्द हर घर जलघर का सपना साकार हो सके और लोगों को नलजल योजना के माध्यम से सुद्ध जल मिल सके।

सोहागपुर रीजनल वर्कशॉप में श्रद्धा और उल्लास से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती



विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना, अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

सोहागपुर। सोहागपुर एरिया मुख्यालय के समीप स्थित रीजनल वर्कशॉप में भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रीजनल वर्कशॉप परिसर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया और सुख-समृद्धि तथा कार्यस्थल की उन्नति की कामना की। आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं में रीजनल वर्कशॉप के असिस्टेंट इंजीनियर अजय द्विवेदी की प्रमुख भूमिका रही। प्रतिमा स्थापना, पूजा-अर्चना की व्यवस्था से लेकर विशाल भंडारे के आयोजन तक उन्होंने सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं को संभाला। कार्यक्रम में डॉ. एम.ए.एच. सिद्दीकी



(चीफ मैनेजर), अजय द्विवेदी (असिस्टेंट इंजीनियर), किशन लाल राठौर, कैलाश तिवारी, अपूर्व श्रीवास्तव, एस.के. परोहा, शशिंद्र जायसवाल सहित रीजनल वर्कशॉप के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा पार्थ सेनगुप्ता, राजेश सेठ, केशव मीणा, पंकज गौतम, धर्मांराव, कमल मंगलानी, आशीष सक्सेना, के.पी. निगम, अमित सिंह, सनत शर्मा एवं सोभाराम पटेल ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। इसी क्रम में राकेश कुमार, मनीष श्रीवास्तव, बी.के. जेना, विवेक सारस्वत, राजेश अग्रवाल, शैलेन्द्र शाहू और अमनदीप धनजल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी रही। चिकित्सक डॉ. डी. गजभिषे, डॉ. दीपक पराडकर, डॉ. माधवी पराडकर एवं डॉ. सुपमा

नागले भी कार्यक्रम में शामिल हुए। रीजनल वर्कशॉप के कर्मचारियों में पंकज पाठक, बीजू सेमुलज, के. गोपी, रामकेश चौरसिया, निराज अली, संजीव सिंह, दीपक बरमन, शुभ लाल, रोशनी सिंह, रोशनी साहू, सुशील पाठक, पारस कुमार, नजमा, मनीषा राउतेल एवं राधिका सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। विशाल भंडारे में शामिल हुए अधिकारी-कर्मचारी: पूजा-अर्चना के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान रीजनल वर्कशॉप परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। आयोजन ने कार्यस्थल पर अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सामूहिक सहभागिता एवं आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत किया।



खैरहा भूमिगत माइंस बना भ्रष्टाचार का अड्डा

रोड सेल के नाम पर अवैध वसूली

धनपुरी। रोड सेल के नाम पर खैरहा माइंस में मची लूट मुख्य महाप्रबंधक सोहागपुर एरिया के अंतर्गत आने वाले खैरहा माइंस में इन दोनों सैकड़ों की तादाद पर रोड सेल की गाड़ी लगती है उन गाड़ी चालकों से 4000 से 5000 की अवैध वसूली की जा रही है जबकि इसकी जानकारी सारे अधिकारियों को है इसके बाद भी यह भ्रष्टाचार नहीं रोक पा रहे जबकि कोयला डिग्री लगाने के पहले सभी प्रकार का पैसा एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर के समक्ष जमा कर लिया जाता है इसके बाद भी गेट पास के नाम पर टायरेक्ट लोडिंग के नाम पर बैंकर लोडिंग के नाम पर कांटा घर के नाम पर

अवैध पैसा की वसूली की जा रही है। वहां पर पदस्थ टेक्निकल इंस्पेक्टर के द्वारा पैसा ना देने पर जबरदस्ती परेशान कर उनकी गाड़ी लोडिंग के लिए नहीं भेजी जाती जिसका जीता जागता उदाहरण देखा जा सकता है। जो ट्रांसपोर्ट पैसा देने में सक्षम होता है उसकी गाड़ी पहले लोडिंग के लिए चली जाती है लोड होकर बाहर निकल जाती है इस प्रकार की कार्य प्रणाली से एसईसीएल को बदनाम करने का खेल चल रहा है। मुख्य महाप्रबंधक सोहागपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक से निवेदन है कि इस भ्रष्टाचार की जांच कर उचित कार्यवाही की जाए नहीं तो मजबूरन ट्रांसपोर्टों के द्वारा आंदोलनात्मक कार्यवाही करने के लिए मजबूर होंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यालयों में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित



आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक विकास सहित विभिन्न विषयों पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति के माध्यम से विकसित भारत की तस्वीर प्रस्तुत की। रंगों और चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने आधुनिक , आत्म निर्भर ,विकसित ,समृद्धशाली एवं स्वच्छ भारत की परिकल्पना को

दर्शाया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्र के भविष्य के प्रति अपनी सोच व्यक्त करने तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में सहभागिता करते हुए अपने विचारों एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्थानीय अशासकीय आर सी स्कूल तथा शासकीय कन्या उमावि उमरिया के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में अपनी सहभागिता निभाई । इस अवसर पर श्री आसुतोष अग्रवाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र बडकरे ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की बात कही। इस दौरान दीपक छतवानी, मनीष सिंह, अमित सिंह , विनीत केन्ही, सहित जनप्रतिनिधि विद्यालय के शिक्षक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कटार में ‘कागजी पट्टा, अनधिकृत बादशाहत’

खनिज नियमों की उड़ी धजियां

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कटार में इन दिनों कानून और प्रशासनिक व्यवस्था का मखौल उड़या जा रहा है। कागजों में जिस खनिज पट्टे की स्वीकृति किसी और के नाम दर्ज है, धरातल पर उसकी मलाई कोई दूसरा रसूखदार चाट रहा है। नियम-कायदे को ताक पर रखकर चलाए जा रहे इस पण्थर खदान और केशर उद्योग ने न केवल पर्यावरण की बलि चढ़ा दी है, बल्कि सच उजागर करने वाले निर्मोक्त फकारों को झूठे मुकदमों में फंखाने की साजिशें भी रची जा रही हैं।शासकीय अभिलेखों एवं खनिज विभाग के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, ग्राम कटार स्थित खसरा नंबर 581/1 क के 2.424 हेक्टेयर क्षेत्र में पण्थर खदान और केशर की प्रशासनिक मंजूरी देवेन्द्र चतुर्वेदी के नाम पर दर्ज है। परंतु, धरातल की हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। मौके पर गिफ्टी कूटने, खदान चलाने और व्यापार साधने की पूरी कमान अतुल गुप्ता और उनके सहयोगियों के हाथों में जजर आती है। मध्यप्रदेश गौण खनिज नियमों के स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार, खिन किसी सक्षम विभागोय अनुमति अथवा वैधानिक हस्तातरण प्रक्रिया के किसी भी खनिज पट्टे या केशर का संचालन अथवा हस्तांतरण पूरी तरह से गैर-कानूनी और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। इसके बावजूद, मूल पट्टाधारक कागजी खानापूर्ति तक सीमित है और अनधिकृत रूप से केशर का संचालन कर राजस्व एवं प्रशासनिक व्यवस्था को चुनौती दी जा रही है। पर्यावरण और सुरक्षा मानकों की खुली धज्जियां वर्ष 2021 में स्वीकृत इस खदान परिसर में नियमों के तहत प्रतिवर्ष अनिवार्य रूप से पौधारोपण किया जाना था। यदि कागजी दावों के अनुसार पीछे लगाए गए होते, तो आज कटार में केशर के चारों ओर सखन हरियाली होती। परंतु, धरातल पर केवल धूल का गुबार और बंजर गड्ढे ही दिखाई देते हैं। नियमानुसार खदान क्षेत्र के चारों तरफ पक्की घेराबंदी और चेतावनी बोर्ड लगाना अनिवार्य है, ताकि जान-माल का नुकसान न हो, परंतु यह पूरा क्षेत्र असुरक्षित पड़ा हुआ है। स्वीकृत 2.424 हेक्टेयर की निर्धारित सीमा और तय गहराई का उल्लंघन कर अत्यधिक खनन किए जाने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। स्थानीय ग्राम पंचायत की एन.ओसी एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमतियों की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।जब स्थानीय पक्कार जय प्रकाश शर्मा द्वारा इस पूरे अवैध कारोबार, पर्यावरणीय अनेक्येती और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर खबरी का प्रकाशन

किया गया तथा खनिज व प्रदूषण विभाग के अधिकारियों को अवगत करया गया, तो बौखलाहट में पड़्यत्र का खेल शुरू हो गया। पत्रकार द्वारा 30 अगस्त 2026 को खनिज साधन विभाग में सीएस हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई, जिसकी जांच वर्तमान में एल-2 स्तर के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इस निष्पक्ष पत्रकारिता से घबरकर अतुल गुप्ता द्वारा पत्रकार की छवि धूमिल करने की नीयत से उनके डिजिटल वॉलेट पर खिना किसी पूर्व जानकारी के पैसे भेजे गए। जागरूक पत्रकार ने तत्काल उस राशि को वापस लौटाते हुए सखत चेतावनी दी और इस कुत्सित प्रयास का कड़ा विरोध किया। इसके बावजूद, दुर्भाग्यवास्त होकर पत्रकार के खिलाफ पुलिस अधीक्षक एवं स्थानीय थाने में झूठी शिकायतें दर्ज करारक तथा वेब पोर्टलों के माध्यम से अनर्गल प्रचार कर दबाव खाने की कोशिश की जा रही है। क्षेत्रीय नागरिकों की निष्पक्ष पत्रकारों की मांग है कि कागजी खानापूर्ति छोडकर खनिज विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राजस्व अधिकारियों की एक संयुक्त टीम तुरंत मौके पर भेजकर खदान का सीमांकन कराए। यदि पट्टा देवेन्द्र चतुर्वेदी के नाम है, तो अतुल गुप्ता किन कानूनी हैसियत से केशर का संचालन कर रहे हैं? स्वीकृत सीमा से अधिक खनन कर शासन को पहुंचाए गए राजस्व नुकसान का आकलन कब होगा? सच छापने वाले निर्मोक्त फकारों को डरावें और झूठे मामलों में उलझाने की कोशिश करने वालों पर आपराधिक प्रकरण कब दर्ज किया जाएगा।



अमरकंटक चौराहे अनूपपुर



स्मार्ट सिटी अनूपपुर



बिजली विभाग के पास अनूपपुर



पुरानी सब्जी मंडी अनूपपुर



आदर्श मार्ग अनूपपुर



स्टेट बैंक के सामने अनूपपुर



रेलवे हनुमान मंदिर के बगल में अनूपपुर



खेडिया पेट्रोल पंप के समीप



सतीश ट्रेडर्स के सामने चेतना नगर



जिला अस्पताल के सामने



इंदिरा चौक अनूपपुर



उज्ज्वल कॉलोनी अनूपपुर

“वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभः। निर्विघ्नं कुरु मे देव, शुभकार्येषु सर्वदा॥”

गाणपति बप्पा की भक्ति में डूबा अनूपपुर, गली-गली सजे पंडाल

हर ओर गुंज रहा जयकारा, भक्ति और उल्लास से सराबोर हुआ पूरा नगर

अनूपपुर। प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आराधना में इन दिनों पूरा

अनूपपुर नगर आस्था और भक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है। शहर के गली-मोहल्लों से लेकर प्रमुख चौक-चौराहों तक गणपति बप्पा की प्रतिमाएं विधि-विधान से विराजमान की गई हैं। अमरकंटक चौराहा, स्मार्ट सिटी, बिजली कार्यालय के पास, सब्जी मंडी, आदर्श मार्केट, स्टेट

बैंक के सामने, रेलवे कॉलोनी, खेडिया पेट्रोल पंप के समीप, सतीश ट्रेडर्स चेतना नगर, जिला अस्पताल के सामने और इंदिरा चौक सहित अनेक स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। पंडालों में सुबह से पूजा-अर्चना और आरती का दौर शुरू हो जाता है, वहीं शाम होते ही रंग-

बिरंगी रोशनी और भक्ति गीतों से माहौल और भी भक्तिमय हो उठता है। भगवान गणेश के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। जगह-जगह गुंजते “गणपति बप्पा मोरया” के जयकारों से पूरा नगर गणेशमय नजर आ रहा है।



स्वामित्व रजिस्ट्री में पटवारियों की ‘निष्पादक’ भूमिका पर टकराव

भोपाल की बैठक में पटवारी संघ का दो ट्रक रुख

कानूनी अधिकार और जवाबदेही स्पष्ट किए बिना नहीं करेंगे निष्पादन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना के तहत पटवारियों को रजिस्ट्री दस्तावेज का ‘निष्पादक’ बनाए जाने को लेकर शासन और पटवारी संघ आमने-सामने हैं। 19 सितंबर को भोपाल स्थित आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन कार्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक में पटवारी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया कि वे स्वामित्व योजना के क्रियाव्ययन में सहयोग के लिए तैयार हैं, लेकिन व्यक्तिगत कानूनी जवाबदेही वाली ‘निष्पादक’ की भूमिका स्वीकार नहीं करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश पटवारी संघ सहित प्रदेश के अन्य पटवारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। संघ के प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र सिंह बघेल के अनुसार, बैठक से पहले आयुक्त कार्यालय की ओर से संघ द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में उठाई गई विधिक, प्रक्रियात्मक और व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा के लिए

प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था।

निष्पादन पर आपत्ति, योजना का विरोध नहीं

पटवारी संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध स्वामित्व योजना या ग्रामीणों को संपत्ति का स्वामित्व अधिकार देने की प्रक्रिया के खिलाफ नहीं है। आपत्ति केवल पटवारी को ‘निष्पादक’ बनाए जाने को लेकर है। संघ का कहना है कि पटवारी संघों को इस प्रकार के दस्तावेज का कानूनी निष्पादन करने की पात्रता और अधिकार स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में भविष्य में स्वामित्व, कब्जे, वारिस, सीमांकन, चतुस्सीमा अथवा अभिलेख संबंधी विवाद सामने आने पर व्यक्तिगत रूप से पटवारी की जवाबदेही तय होने की आशंका है।

झोन सर्वे से लेकर हितग्राही की पहचान तक उठाए सवाल

बैठक में पटवारियों ने यह भी सवाल उठाया कि झोन सर्वे, आबादी रिकॉर्ड, नक्शे, प्लॉट की सीमा अथवा हितग्राही की पहचान में

भविष्य में कोई त्रुटि सामने आती है तो उसकी जिम्मेदारी किस स्तर पर तय होगी। संघ ने कहा कि जब तक कानूनी अधिकार, प्रक्रिया और जवाबदेही स्पष्ट नहीं होती, तब तक पटवारियों को निष्पादक की भूमिका में रखना व्यावहारिक और विधिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होगा।

कैडर रिव्यू पर भी अड़ा संघ

बैठक में पटवारियों के कैडर एवं वेतनमान रिव्यू की लंबित मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। संघ ने शासन के समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि कैडर रिव्यू की मांग का शीघ्र निराकरण किया जाता है और स्वामित्व योजना में पटवारी की भूमिका ‘निष्पादक’ के बजाय ‘सहयोगी’ के रूप में स्पष्ट की जाती है, तो पटवारी संघों को निष्पादक के अगले निर्याग पर है। संघ ने एक ओर योजना में सहयोग की सहमति जताई है, वहीं दूसरी ओर कानूनी जोखिम वाली निष्पादक की भूमिका, कैडर रिव्यू और मैदानी अधिकारियों के कथित दबाव के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

मंडला-रायसेन में कथित दबाव का मुद्दा उठा

बैठक में मंडला और रायसेन जिलों में पटवारियों के साथ अधिकारियों द्वारा कथित

दबावपूर्ण व्यवहार का मुद्दा भी उठाया गया। संघ पदाधिकारियों ने मैदानी स्तर पर अतिरिक्त कार्यों और विभिन्न योजनाओं के बढ़ते दबाव का मुद्दा शासन के सामने रखा। संघ ने चेतवानी दी कि यदि कथित दबाव और कार्रवाई का सिलसिला जारी रहा तो प्रदेश का पटवारी संघों आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर हो सकता है।

शासन के अगले कदम पर टिकी नजर

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी की संपत्तियों के निशुल्क पंजीयन की प्रक्रिया प्रदेश में शुरू हो चुकी है। इसी प्रक्रिया में पटवारी को निष्पादन अधिकारी बनाए जाने की व्यवस्था को लेकर विवाद सामने आया है। भोपाल में हुई बैठक के बाद अब पटवारी संगठनों के पक्ष में आदेश दते हुए हैं। संघ ने एक ओर योजना में सहयोग की सहमति जताई है, वहीं दूसरी ओर कानूनी जोखिम वाली निष्पादक की भूमिका, कैडर रिव्यू और मैदानी अधिकारियों के कथित दबाव के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

कोर्ट के आदेश के बाद भी रंग महल मंदिर में पूजा-अर्चना क्यों बंद?

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने लड़ी थी कानूनी लड़ाई

अनूपपुर/अमरकंटक। मां नर्मदा मंदिर के सामने स्थित प्राचीन रंग महल मंदिर में न्यायालय के आदेश के बाद भी पूजा-अर्चना शुरू नहीं होने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। श्रद्धालुओं और धर्मावलंबियों का कहना है कि जिस मंदिर में पूजा के अधिकार को लेकर ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़ी, उस मंदिर में उनके प्रयास के बाद आए न्यायालयीन आदेश का पालन अब तक पूरी तरह क्यों नहीं हो पाया, यह स्पष्ट होना चाहिए। कलचुरी कालीन स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध रंग महल मंदिर परिसर में विष्णु भगवान, पातालेश्वर महादेव और सत्यनारायण भगवान के प्राचीन मंदिर स्थित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से यहां नियमित पूजा-अर्चना नहीं हो पा रही है। मंदिर परिसर के पुरातत्व विभाग के अधीन होने के बाद पूजा-पाठ को लेकर प्रतिबंध की स्थिति बनी रही।

न्यायालय तक पहुंचा था पूजा का मामला

धर्म संसद शहडोल के श्रीधर शर्मा के अनुसार, ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने मंदिर में पूजा-अर्चना के अधिकार को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मामले में विरिष्ठ अधिवक्ता मुरलीधर शर्मा एवं श्रीधर शर्मा ने पैरवी की थी। उनका दावा है कि न्यायालय ने द्वारका-शारदा पीठ के पक्ष में आदेश दते हुए मंदिर की देखरेख तथा पूजा-अर्चना का अधिकार पीठ को प्रदान किया था और आदेश की प्रतिलिपि संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को भेजी गई थी। न्यायालयीन



आदेश की वास्तविक स्थिति और उसके अनुपालन की वर्तमान स्थिति को लेकर अब प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग से स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग उठ रही है।

आस्था से जुड़ी है पातालेश्वर महादेव की मान्यता

रंग महल मंदिर परिसर स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर को लेकर अमरकंटक में धार्मिक मान्यता भी प्रचलित है। पुजारियों और स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार मान्यता है कि श्रावण मास में मां गंगा स्वयं यहां आकर भगवान शिव का अभिषेक करती हैं। यही वजह है कि यह परिसर स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। लंबे समय तक पूजा-अर्चना बंद रहने से मंदिर की स्थिति को लेकर भी श्रद्धालुओं में चिंता रही है। न्यायालयीन आदेश की जानकारी सामने आने के बाद लोगों को उम्मीद जगी थी कि मंदिर में विधि-विधान से पूजा शुरू होगी और नियमित रूप से पुजारियों की व्यवस्था होगी। ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के देहावसान के बाद स्वामी सदानंद सरस्वती को द्वारका-शारदा पीठ का शंकराचार्य बनाया गया। पीठ से जुड़े लोगों ने पूर्व शंकराचार्य

द्वारा लड़ी गई इस कानूनी लड़ाई को उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया था। अब सवाल यह है कि यदि न्यायालय के आदेश में पूजा-अर्चना का अधिकार सुनिश्चित किया गया है तो रंग महल मंदिर में नियमित पूजा क्यों नहीं हो रही है? श्रद्धालुओं का कहना है कि संबंधित विभाग और जिला प्रशासन को न्यायालयीन आदेश की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करते हुए मंदिर में पूजा-अर्चना की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रवेश शुल्क की वसूली पर भी उठे सवाल

श्रद्धालुओं ने पुरातत्व विभाग द्वारा मंदिर परिसर में आने वाले यात्रियों से प्रवेश शुल्क के नाम पर की जा रही वसूली की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। मांग की गई है कि यदि मंदिर धार्मिक आस्था का केंद्र है और यहां पूजा-अर्चना के अधिकार को लेकर न्यायालयीन आदेश मौजूद है, तो श्रद्धालुओं से लिए जाने वाले प्रवेश शुल्क की वैधानिकता और औचित्य भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और पुरातत्व विभाग इस पूरे मामले में न्यायालयीन आदेश की वर्तमान स्थिति तथा पूजा-अर्चना को लेकर अपनी भूमिका कब तक स्पष्ट करते हैं।

गणेश उत्सव के बीच मातम, केवई नदी में डूबा 15 वर्षीय किशोर, तलाश जारी

कोतमा। एक ओर पूरा नगर गणेश उत्सव की भक्ति में डूबा हुआ है, वहीं शनिवार शाम केवई नदी के रफटा घाट पर हुई घटना ने पूरे नगर को झकझोर दिया। वार्ड क्रमांक 6 निवासी 15 वर्षीय किशोर अभिषेक पाटस्कर नहाने के दौरान नदी में डूब गया। देर शाम तक उसकी तलाश जारी रही, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन जमा हो गए। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 6 निवासी माधव पाटस्कर का 15 वर्षीय पुत्र अभिषेक पाटस्कर शनिवार शाम



करीब 4 बजे अपने तीन दोस्तों के साथ केवई नदी के रफटा घाट पर नहाने गया था। नहाने के दौरान अभिषेक अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते नदी में डूब गया। उसके साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी तथा परिजनों को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रतनाकर शुक्ल

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। किशोर की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों की मदद ली गई। इसके साथ ही एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। शनिवार शाम करीब 7 बजे तक किशोर का पता नहीं चल सका था। अंधेरा होने के कारण नदी में तलाशी अभियान में भी परेशानी सामने आ रही थी। घटनास्थल पर परिजनों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई थी, वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी किशोर की तलाश में जुटे रहे। पुलिस और बचाव दल द्वारा नदी में लगातार तलाश की जा रही थी।

हाईवे पर फिर हादसा, ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कोतमा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाईवे सड़क पर सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को एक बार फिर रेत खपार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा केववाही चौक के पास हुआ। जानकारी के अनुसार परसराम कुशवाहा 30 साल निवासी मजिरी चौकी केशवाही, दोपहिया वाहन से कोतमा की ओर आ रहा था। इसी दौरान केशवाही चौक के पास तेज रफ्तार ट्रक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। हादसे में परसराम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सूचना पर डायल 112 में तैनात मानुप्रताप सिंह की मदद से घायल युवक को तत्काल कोतमा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार घटनास्थल के आसपास हाईवे पर अक्सर ट्रक खड़े रहते हैं। सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण दूसरी दिशा से आने वाले वाहन चालकों को सामने से आ रहे वाहन स्पष्ट दिखाई नहीं देते ऐसे में हादसे की आशंका बनी रहती है। लोगों ने हाईवे किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

